16. चित्र वर्णन

चित्र वर्णन बच्चों की अवलोकन क्षमता को विकसित करने का बहुत ही सटीक माध्यम है। चित्र वर्णन द्‌वारा बच्चे चित्र या दृश्य की बारीकियों को जानने, वस्तुओं को पहचानने तथा चित्र में उपस्थित व्यक्ति विशेष के भावों को समझने का प्रयास करते हैं। बारंबार अभ्यास से चित्र वर्णन करने में कुशल हुआ जा सकता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर बातचीत करें। जैसे– यह दृश्य सर्कस का है। पूछें, क्या आपने कभी सर्कस देखा है। सर्कस में क्या-क्या गतिविधि होती है। बताएँ, पहले गाँवों-शहरों में सर्कस घूम-घूमकर जानवरों के करतब दिखाए जाते थे। पर जानवरों की सुरक्षा की दृष्टि से सरकार ने अब इन्हें बंद कर दिया आदि तथ्यों से बच्चों को अवगत करवाएँ। तदुपरांत चित्र का वर्णन बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ अभ्यास के लिए गए दृश्यों के चित्रों पर बच्चों से चर्चा करें।
- ❖ बातचीत करें, (क) पुस्तकालय का दृश्य है। बच्चो से जानें, पुस्तकालय में क्या-क्या होता है? बच्चे वहाँ क्या करते हैं? आदि द्‌वारा चित्र में क्या-क्या हो रहा है पूछें।
- ❖ इसी प्रकार चित्र (ख), (ग) पर भी चर्चा करें। तदुपरांत बच्चों से इनका वर्णन लिखवाएँ। यथासंभव सहायता करें।